**इ**तिश्रीमहाभारतेश्त्यपर्वणिशल्यव ॥ %॥ ॥ शां संजयउवाच शल्यंथानेहतराजनदराजपदानुगाः॥ रथाःसमश्तावीरानिय्युमहताब्लात्॥ १॥ त्रिभं॥ छत्रेणधियमाणेनवीज्यमानश्चवामरेः॥ २॥ नगंतव्यंनगंतव्यमितिमाद्रानवारयत्॥ हुयाँयनेनतेवीरावायमा ॥:पुनःपुनः॥ ३॥ युधिष्ठिरंजिषांसंतःपांडूनांप्राविशान्यलं ॥ तेतुशूरामहाराजकतिचितास्ययोषने॥ ४॥ षनुःशब्दंमहत्कवासहायुध्यंतपांडवैः ॥ श्रुत्वाच ५ ॥ महराजिषियेयुकैमंद्रकाणांमहारथैः ॥ आजगामततःपाथौगांडीवंविसिपन्युनः ॥ ६॥ पूरयन्रथघोषेणदिशःसवाम । द्रिपुत्रौचपांडवौ॥ ७॥ सात्यकिश्वनरव्याघोद्रौपदेयाश्वसर्वशः॥ पृष्ट्युमःशिखंडीचपंचालाःसहसोमकैः॥८॥ युधिछिरंप | 3 × | 3 × | 3 × | 3 × | 3 × | 4 × 0 | 4 × 0 | 4 × 0 | 4 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 | 1 × 0 द्यामहारथाः॥ १४॥ अभ्यघ्रन्युप्धानश्यमद्रराजपद्रानुगान्॥ चकैविंमथितैःकेचित्केचिन्छिन्नैमेहाध्वजैः॥ १५॥ तेह भ्यमाणामहानदी॥असोभ्यततदाराजन्यांडूनांध्वजिनीततः॥ ११॥ प्रस्केद्यसेनांमहतींमहालानोमहारथाः॥बहवश्रुकुशु ॥ भातरोवास्यतेशूराहस्यंतेनेहकेनच ॥ पृष्युंस्रोयशीनेयोद्रौपदेयाश्यसर्वशः ॥ १३ ॥ पंचालाश्यमहावीयाःशिखंडीचमहार सिमेतापरिटताःपोडवाःपुरुषषभाः॥ ९॥ स्रोभयंतिस्मतांसेनांमकराःसागर्यथा॥ द्सानिवमहावाताःकप्यातस्मतावका ।सिनेकें चित्रचकुमेहारथाः॥ ततोगांधार्राजस्यपुत्रःश्कृनिरबवीत्॥ १८॥ हुयौधनंमहाराजवचनंवचनस्ममः॥ किनःसं सिमाणानांमद्राणांहत्यतेवलं॥ १९॥ नयुक्तमेतत्समरेत्वयितिष्ठतिभारत॥ सहितैश्वापियोद्ध्यामित्येषस्मम्यःकतः ॥ २० ॥ अथकस्मात्यरानेबद्यतोमर्ष श्कानरवाच नभन्ःशासन रैः॥ आलोक्यपांडवान्युद्धयोधाराजन्समंततः॥ १६ ॥ वार्यमाणाययुर्वेगात्यत्रोणतवभारत॥हुयाधनश्वतान्वीरान्वार्यामा वायमाणामयापूर्वनैते वकुर्वचोमम्॥ २१॥ एतेविनिह्ताःसर्वेप्रस्कन्नाःपांडुवाहिनीं॥ ष्टिरंचप्रशश्साराजीपुराकतेट्यवयेयथेंद्रं॥ चक्रथनानाविषवाद्यश्ब्दास्मिनाद्यंतोवस्यपांसमेताः॥ ९१॥ रिणेक्वंत्यमपिताः॥ २ २ यौधनस्तिहिरदमारुखाचलस न्॥ १० ॥ पुरोवातेनगंगेवक्षो स्रंति विसमरेतावकानिहताः प रियः॥ ततोजनश्रभीमश्रम ोफ्तंत:समंतात्पर्यवार्यन्॥ <sup>त</sup> ल जकसराजायां याष्ट्ररः॥ १ २ ससांत्यन्॥१७॥ नचास्यश यः॥ एवतान्वाहिनःशूराद्धाप दुयाधनउवाच पसन्य ॥

।॥० ९॥ तारमन्महष्वास्परावश् स्तिस्याममध्यक्रध्यावेन॥पाषाःसम्ताःपरमध्तर्षाःशंखान्धवःमहत्माक्ष्यशन्या। ९०॥